तेरे हाथ मेरी डोर मैं पतंग मेरी माँ

तेरे हाथ मेरी डोर, मैं पतंग मेरी माँ ॥
तेरे हाथ मेरी डोर, मैं पतंग मेरी माँ* ॥,
जुड़ी रहना हमेशा, मेरे संग मेरी माँ,,,
तेरे हाथ मेरी डोर,,,,,,,,,,,,,,,,,,,,,,,,

आना माँ आना मेरे, घर भी नवरातों में ।
मेहँदी लगाऊंगी मैं, फूलों जैसे हाथों में ॥
होगा लाल गूहड़ा, मेहँदी वाला रंग मेरी माँ*,,,
तेरे हाथ मेरी डोर,,,,,,,,,,,,,,,,,,,,,,,,
माँ*,,, मेरी माँ,,, मेरी माँ,,, मेरी माँ,,,
^
रोज़ तेरा करुँगी, श्रृंगार दाती प्यार से ।
फूलों के पिरोऊंगी मैं, हार दाती प्यार से ॥
सेज़ फूलों की, फूलों का पलंग मेरी माँ*,,,
तेरे हाथ मेरी डोर,,,,,,,,,,,,,,,,,,,,,,,,
^
साथ माता रानी, मेरे नौ दिन बिता के ।
भोग कंजको के संग, जाना लगा के ॥
यही अरदास, यही है उमंग मेरी माँ*,,,
तेरे हाथ मेरी डोर,,,,,,,,,,,,,,,,,,,,,,,,F

अपलोडर- अनिलरामूर्तिभोपाल

https://bhajanganga.com/bhajan/lyrics/id/27066/title/tere-haath-meri-dor-main-patang-meri-maa

अपने Android मोबाइल पर BhajanGanga App डाउनलोड करें और भजनों का आनंद ले |